साँवरे से कोई भी न बात छुपी । by Sheetal pnadey

सांवरे से कोई भी ना बात छिपी देख रहा ज़र्रे ज़र्रे को मेरा लखदातार तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार खबरदारखबरदार....खबरदार..खबरदार

पाकर के थोड़ी सी बुलंदी तू मद में इतराया मद में इतराया अच्छे काम दिखाए जग को और बुरे को छिपाया बुरे को छिपाया परदे पे तू पर्दा करले सब कुछ है बेकार तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार खबरदारखबरदार......खबरदार........खबरदार

अच्छा हो या बुरा बेधड़क कर दे तू इसके हवाले इसके हवाले कह दे जो कुछ पास है मेरा तेरा है खाटूवाले ओ खाटूवाले इससे नहीं छिपाना कुछ भी ये हैं जाननहार तूने तो बस दो पायी हैं इसकी आँख हज़ार खबरदारखबरदार.....खबरदार..खबरदार

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%b8\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%81\%e0\%a4\%b5\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%87-}{\text{\%e0\%a4\%b8\%e0\%a5\%87-\%e0\%a4\%95\%e0\%a5\%8b\%e0\%a4\%88-\%e0\%a4\%ad\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%a8-}{\text{\%e0\%a4\%ac\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%a4-\%e0\%a4\%9b\%e0\%a5\%81\%e0\%a4\%aa\%e0\%a5\%80-by/}$